NEW RAILWAY LINES FOR MADHYA BHARAT

†*484 SHRI KRISHNAKANT VYAS: Will the Minister for RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether any surveys for the construction of new railway lines have been made in the tribal areas in Madhya Bharat;

(b) whether Government have decided to construct any new railway lines in those areas; and

(c) if the answer to part (b) above be in the affirmative, when the construction work is to commence?

THE DEPUTY MINISTER FOR RAILWAYS AND TRANSPORT (SHRI O. V. ALAGESAN): (a) Not in the tribal areas.

(b) and (c). It is proposed to take up the construction of a B.G. line from Indore to Ujjain *via* Dewas in the current financial year, if possible.

श्री कृष्णकान्त व्यास : उपसभापति महोदय, मेरी राय में चेयर की ओर से सरकार को इस बात का आदेश तुरन्त दिया जाना चाहिए कि जो सदस्य हिन्दी में प्रश्न पूछें उनको हिन्दी में ही जवाब दिया जाना चाहिए ।

श्री उपसभापति : उपमंत्री जी हिन्दी अच्छी जानते नहीं ।

श्री ओ० वी० अलगेशन : आयंदा में कोशिश करूंगा हिन्दी में जवाब देने की।

श्री कन्हैयालाल डी० वैद्य : मैं माननीय मंत्री महोदय से पूछना चाहूंगा कि उन्होंने रेलवे बजट के भाषण में जो यह ऐलान किया था कि हम ऐसा विचार करते हैं कि एक रेलवे लाइन का आदिवासी क्षेत्रों में सर्वे करायेंगे, तो क्या इस उत्तर से यह समझा जायगा कि उस विचार को सरकार ने छोड़ दिया ?

श्री लाल बहादुर : जी नहीं। विचार छोड़ नहीं दिया है। मध्यभारत की सरकार को लिखा गया है कि वह कौन सी लाइनें अपने प्रदेश के लिए चाहते हैं और जब उनकी स्वीकृति आ जायगी तब उस पर विचार किया जायगा ।

डा० रघुवीर सिंह : क्या दोहद से इंदौर तक रेलवे लाइन बनाने का कोई प्रस्ताव रेलवे मिनिस्ट्री के सामने नहीं है ?

श्री लाल बहादुर : जी हां, एक प्रस्ताव है । उसके लिए सर्वे कराने का विचार है ।

श्री एच० पी० सक्सेना : क्या यह सही है कि मध्य भारत की सरकार में खुद आपस में मतभेद है, और इसकी वजह से रेलवे मिनिस्ट्री को यह दिक्कत पड़ रही है कि जो उसकी तजवीज है उसको कैरी आऊट करे या उसको ससपेंड कर दे ?

श्री लाल बहादुर : इस लाइन की वजह से कोई मत भेद वहां नहीं है । अब तो जबर्दस्त दोस्ताना आपस में हो गया है ।

†Original notice in Hindi as below:

मध्य भारत के लिये नई रेलवे लाइनें

*४८४. **श्री कृष्णकान्त व्यास** : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य भारत के आदिवासी क्षेत्र में नई रेलवे लाइन डालने के लिये कोई सर्वे करवाया गया है;

(ख) क्या सरकार ने उक्त क्षेत्रों में नई रेलवे लाइन निर्माण करने का निश्चय कर लिया है; और

(ग) यदि उपर्युक्त भाग (ख) का उत्तर हां में है, तो निर्माण कार्य कब आरम्भ होगा ?

SHRI H. C. MATHUR: May I know, Sir, what is your direction regarding the requests made by the questioner that the answer should be in Hindi?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: If the hon. Minister does not know Hindi, how can I compel him to do it?

SHRI H. C. MATHUR: Either the hon. Minister should be here to answer in Hindi, or some arrangement should be made so that the question is translated .....

SHRI RAJ BAHADUR: At least the objection should be taken in Hindi.

SHRI H. C. MATHUR: Because I speak in English, it should not be taken that......

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Anyway, the Chair does not find any difficulty.

PAYMENT OF SUGAR-CANE PRICES BY MILLS TO CANE GROWERS

*485. SHRI M. VALIULLA: Will the Minister for FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the amount which still remains to be paid by the sugar factories to cane growers in (i) Uttar Pradesh, (ii) Bihar, (iii) Madras, (iv) Patiala and East Punjab States Union and (v) Mysore for the purchases of sugar-cane made during the last year; and

(b) what was the total price of sugar-cane paid by the factories to the cane growers during that year?

THE MINISTER FOR FOOD AND AGRICULTURE (SHRI RAFI AHMAD KIDWAI): (a) and (b). A statement giving the required information is laid on the Table of the House. [*See* Appendix VIII, annexure No. 134.]

SHRI M. VALIULLA: Were any investigations carried out into the affairs of any mills in respect of the accumulation of arrears?

DR. P. S. DESHMUKH: I want notice of the question, because it is within the purview of the State Governments. We are not aware of it.

श्री टी० पाण्डे : क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि उत्तर प्रदेश तथा बिहार में रुपया न मिलने के कारण किसानों को कितनी दिक्कत हो रही है, और क्या इसके लिए कोई हल जल्दी नहीं निकाला जा सकता है ?

डा० पी० एस० देशमुख : यह बात हम अच्छी तरह से जानते हैं कि किसानों को दिक्कतें आती हैं और हम जल्द से जल्द पेमेंट करने की कोशिश करते हैं ।

श्री टी० पाण्डे : दूसरा निवेदन मेरा यह है कि जब आप किसानों से ईख ले लेते हैं और समय पर दाम नहीं देते हैं, क्या मंत्री महोदय बतान की कृपा करेंगे कि वे लगान कहां से देंगे, भोजन और वस्त्र कहां से खरीदेंगे, अपने बच्चों को कहां से पढ़ाएंगे, लिखाएंगे, यह सब खर्च कैसे करेंगे ?

डा० पी० एस० देशमुख : जैसा कि मैं पहले जिक्र कर चुका हूं ये दिक्कतें ऐसी हैं जिन्हें हम जानते हैं और कोशिश करते हैं कि आयंदा ये दिक्कतें न पैदा हों ।

श्री एच० पी० सक्सेना : क्या यह सही है कि सरकार उन शुगर मिल ओनर्स को तो रुपया देने में, पेमेंट करने के लिए, बड़ी उतावली कर रही है, बड़ा इंतजाम कर रही है ?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It is a matter for the State Government to do.

SHRI H. P. SAKSENA: I beg your pardon, Sir.